सीएसआर का फंड बच्चों के विकास पर मिले: नफीसा

पटना (आससे)। बिहार की कुल जनसंख्या का 48 प्रतिशत 18 प्रतिशत आयु से कम है, जो भारत की कुल जनसंख्या का 10 प्रतिशत है। एक बड़ी उपभोक्ता बाजार कंपनी होने के नाते राज्य में बच्चों के विकास और वृद्धि से संबंधित सीएसआर गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए। यह बातें यूनिसेफ की बिहार प्रमुख नफीसा बिंते शफीक ने कही। वह रविवार को चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआइएमपी) में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रही थी। इसका आयोजन इंडिया सीएसआर के सहयोग से किया गया। दो दिवसीय सम्मेलन में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के अधिकारी व पदाधिकारी मौजूद रहें। इस दौरान पांच पेपर प्रस्तुत किये गये। एसडीजी के लिए सीएसआर को समझने के लिए फिल्मों का उपयोग करना और शेयर बाजार और आर्थिक विकास के बीच दीर्घावधि और अल्पकालिक संघ की परीक्षा जैसे विषयों पर पेपर प्रस्तुत किये गये। सीआइएमपी के निदेशक प्रो राणा सिंह

ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सम्मेलनों के महत्व के बारे में जानकारी दी। इसके अतिरिक्त मैजेस्टिक ऑटो लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेश मुंजाल ने अपने संबोधन में समापन भाषण दिया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन शिक्षाविदों, चिकित्सकों, सलाहकारों और शोध विद्वानों को सर्वोत्तम समाधान के साथ आने के लिए प्रेरित करने का एक प्रयास है। समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि आइओसीएल (बिहार-झारखंड) के मुख्य कार्यकारी निदेशक विभाष कुमार ने कोरोना काल को याद करते हुए बताया कि कैसे आइओसीएल ने सरकार की मदद से मरीजों के लिए ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए सिलेंडरों की खरीद की।

आइओसीएल सीएनजी की आपूर्ति के लिए पाइपलाइन विकसित कर रहा है और इजरायली फर्म के साथ बैटरी प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और स्वच्छ ऊर्जा के लिए हाइड्रोजन ईंधन की आपूर्ति के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर भी बढ़ रहा है। आइसीसीएसआर 2022 के अध्यक्ष एवं सहायक प्रो ज्योति वर्मा ने बेस्ट पेपर अवार्ड की घोषणा की श्रुति द्विवेदी और दिसीक परमार को रीचिंग द अनरीच्ड टू मीट द अनमेट नीड्स विजन स्क्रीनिंग एंड प्रोविजन ऑफ आइग्लासेस वाया आउटरीच कैंपस इन इंडिया विषय पर बेस्ट पेपर अवार्ड दिया गया है। सीआइएमपी के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कुमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस दौरान संकाय सदस्य, छात्र, कर्मचारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ASAJ ! Page.No-08 ! Dated:12-12-2022

राज्य में बच्चों के संपूर्ण विकास से संबंधित गतिविधियों पर हम सभी को देना चाहिए ध्यान

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना की ओर से कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय सम्मेलन में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। उस सत्र में कुल मिलाकर पांच पेपर दिए गए थे। 'एसडीजी के लिए सीएसआर को समझने के लिए फिल्मों का उपयोग करना' और 'शेयर बाजार और आर्थिक विकास के बीच दीर्घावधि और अल्पकालिक संघ की परीक्षा' जैसे विषयों पर पेपर प्रस्तुत किए गए। मैजेस्टिक ऑटो लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, महेश मुंजाल ने कहा कि सम्मेलन शिक्षाविदों,

चिकित्सकों, सलाहकारों और शोध विद्वानों को सर्वोत्तम समाधान के साथ आने के लिए प्रेरित करने का एक प्रयास है। मुख्य अतिथि यूनिसेफ की बिहार प्रमुख नफीसा बिंते शफीक ने कहा कि बिहार की कुल जनसंख्या का 48% 18% आयु से कम है, जो भारत की कुल जनसंख्या का 10% है। और एक बड़ी उपभोक्ता बाजार कंपनी होने के नाते राज्य में बच्चों के विकास और वृद्धि से संबंधित सीएसआर गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए। सीआईएमपी के निदेशक प्रो. (डॉ.) राणा सिंह ने स्वागत भाषण दिया।

कोरोना काल के दिनों को किया याद

समापन समारोह में विशिस्ट अतिथि विभास कुमार ने कोरोना काल को याद करते हुए बताया कि कैसे आईओसीएल ने सरकार की मदद से मरीजों के लिए ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए सिलेंडरों की खरीद की। उन्होंने इस बारे में भी बात की कि कैसे आईओसीएल सीएनजी की आपूर्ति के लिए पाइपलाइन विकसित कर रहा है और इजरायली फर्म के साथ बैटरी प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और स्वच्छ ऊर्जा के लिए हाइड्रोजन ईंधन की आपूर्ति के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर भी बढ़ रहा है।

Dainik Bhaskar ! Page.No-02 ! Dated:12-12-2022

सीएसआर में बच्चों के विकास पर दें जोर

सम्मेलन में यूनिसेफ की राज्य प्रमुख नफीसा बिंते शफीक ने कंपनियों से की अपील

जागरण संवाददाता, पटना : बिहार में 48 प्रतिशत जनसंख्या 18 से कम आयु की है, जो भारत की कुल जनसंख्या का 10 प्रतिशत है। बिहार एक बड़ा उपभोक्ता बाजार है। इसके नाते राज्य में बच्चों के विकास व वृद्धि से संबंधित सीएसआर गतिविधियों पर कंपनियों को ध्यान देना चाहिए। ये बातें यूनिसेफ की राज्य प्रमुख नफीसा बिंते शफीक ने कहीं। वह चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआइएमपी) में कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रही थीं। इंडिया सीएसआर के सहयोग से आयोजित सम्मेलन में कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इसमें 'एसडीजी के लिए सीएसआर को समझने के लिए फिल्मों का उपयोग करना' और 'शेयर बाजार और आर्थिक विकास के बीच दीर्घावधि और अल्पकालिक संघ की परीक्षा' जैसे विषयों पर पेपर प्रस्तुत किए गए। आइओसीएल के कार्यकारी निदेशक विभाष कुमार ने बताया कि कैसे आइओसीएल ने कोरोना काल में सरकार की मदद से मरीजों के लिए आक्सीजन सिलेंडरों की खरीद की।

समापन समारोह में बेस्ट पेपर का अवार्ड ग्रहण करतीं प्रतिभागी। ● जागरण

श्रुति दिप्तीक को बेस्ट अवार्ड

कार्यक्रम में आगत अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रो. राणा सिंह ने, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सीईओ कुमोद कुमार ने किया। कार्यक्रम में सहायक प्रोफेसर. डा. ज्योति वर्मा ने बेस्ट पेपर अवार्ड की घोषणा की। श्रुति द्विवेदी और दिप्तीक परमार को "रीचिंग द अनरीच्ड टू मीट द अनमेट नीड: विजन स्क्रीनिंग एंड प्रोविजन आफ आइग्लासेस वाया आउटरीच कैंपस इन इंडिया" विषय पर बेस्ट पेपर अवार्ड दिया गया है।

शिक्षा ही समाज के विकास का सही माध्यम

- राज्य में 500 से अधिक स्कूलों के प्रधानाध्यापक हुए सम्मानित
- तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से कदम बढ़ा रहा है बिहार

जागरण संवाददाता, पटना : शिक्षा ही समाज के विकास का सही माध्यम है। इसके बिना किसी भी समाज के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है। ये बातें रविवार को बिहार पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन एवं फिजिक्सवाला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिक्षा सम्मान समारोह में सिक्कम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने कहीं। समारोह में उद्योगमंत्री समीर कुमार महासेठ ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के विकास के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। उसके बेहतर नतीजे भी आ रहे हैं। नालंदा खुला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केसी सिन्हा ने कहा कि बिहार तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. डीके सिंह ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के विकास की गति तेज करने की जरूरत है। समारोह में आए प्रधानाध्यापकों को फिजिक्सवाला के उपाध्यक्ष इमरान राशीद ने कहा कि बिहार हमेशा से प्रतिभा की धरती रही है। योग्य शिक्षकों के अभाव में यहां से छात्रों का पलायन होता रहा है। विद्यापीठ के सेंटर हेड परिमल नंदन ने कहा कि विभिन्न जिलों से आए पांच सौ से अधिक प्रधानाध्यापकों को सम्मानित किया गया। बिजनेस हेड आशीष कुमार ने शिक्षकों के सम्मान से ही प्रतिभा को निखारा जा सकता। प्रदूषण बोर्ड के अध्यक्ष डा. अशोक कुमार घोष, इरफान राशीद एवं ऋतुराज सहित कई लोगों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

Dainik Jagran ! Page.No-06 !Dated:12-12-2022

कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अवार्ड प्राप्त करती युवती।

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान, पटना (सीआईएमपी) ने कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की। इसका आयोजन इंडिया सीएसआर के सहयोग से किया गया था। इस दो दिवसीय सम्मेलन में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय लोगों ने भाग लिया। सत्र में कुल पांच पेपर दिए गए थे। एसडीजी के लिए सीएसआर को समझने के लिए फिल्मों का उपयोग करना और शेयर बाजार और आर्थिक विकास के बीच दीर्घावधि और अल्पकालिक संघ की परीक्षा जैसे विषयों पर पेपर प्रस्तुत किए गए। सीआईएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की।

■ सीएसआर को समझने के लिए फिल्मों का उपयोग करना और शेयर बाजार और आर्थिक विकास के बीच दीर्घावधि और अल्पकालिक संघ की परीक्षा जैसे विषयों पर पेपर प्रस्तुत

डॉ. सिंह ने अतिथियों स्वागत किया। उन्होंने सम्मेलन के महत्व का उल्लेख किया। इसके अतिरिक्त मैजेस्टिक ऑटो लि. के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, महेश मुंजाल ने समापन भाषण दिया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन शिक्षाविदों, चिकित्सकों, सलाहकारों और शोध विद्वानों को सर्वोत्तम समाधान के साथ आने के लिए प्रेरित करने का एक प्रयास है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नफीसा बिंते शफीक ने यूनिसेफ के बिहार फील्ड कार्यालय की ओर से जनसमूह को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि बिहार की कुल जनसंख्या का 48 प्रतिशत 18 वर्ष आयु से कम है, जो भारत की कुल जनसंख्या का 10 प्रतिशत है। एक बड़ी उपभोक्ता बाजार कंपनी होने के नाते राज्य में बच्चों के विकास और वृद्धि से संबंधित सीएसआर गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए। समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित विभास कुमार ने कोरोना काल को याद करते हुए बताया कि कैसे आईओसीएल ने सरकार की मदद से मरीजों के लिए ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए सिलेंडरों की खरीद की। आईओसीएल सीएनजी की आपूर्ति के लिए पाइपलाइन विकसित कर रहा है।

इजरायली फॉर्म के साथ बैटरी प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और स्वच्छ ऊर्जा के लिए हाइड्रोजन ईंधन की आपूर्ति के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर भी बढ़ रहा है।

आईसीसीएसआर-2022 के अध्यक्ष एवं सहायक प्रोफेसर डॉ ज्योति वर्मा ने बेस्ट पेपर अवार्ड की घोषणा की। श्रुति द्विवेदी और दिप्तीक परमार को 'रीचिंग द अनरीच्ड टू मीट द अनमेट नीड - विजन स्क्रीनिंग एंड प्रोविजन ऑफ आईग्लासेस वाया आउटरीच कैंपस इन इंडिया' विषय पर बेस्ट पेपर अवार्ड दिया गया है। कुमोद कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, सीआईएमपी ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

सीआईएमपी में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

बच्चों के विकास से संबंधित सीएसआर गतिविधियों पर देना चाहिए ध्यान : नफीसा

सीआईएमपी के निदेशक ने सम्मेलन के महत्व पर डाला प्रकाश

पटना/संवाददता। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान, पटना (सीआईएमपी) ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की। इसका आयोजन इंडिया सीएसआर के सहयोग से किया गया था। इस दो दिवसीय सम्मेलन में कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया। सम्मेलन में 'एसडीजी के लिए सीएसआर को समझने के लिए फिल्मों का उपयोग करना' और 'शेयर बाजार और आर्थिक विकास के बीच दीर्घावधि और अल्पकालिक संघ की परीक्षा' जैसे विषयों पर पेपर प्रस्तुत किये गये। कुल पांच पेपर प्रस्तुत किये गये। सीआईएमपी के निदेशक प्रो. (डॉ.) राणा सिंह ने अतिथि, अन्य गणमान्य व्यक्तियों और दर्शकों का स्वागत किया और सम्मेलन के महत्व पर प्रकाश डाला। मैजेस्टिक ऑटो लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेश मुंजाल ने समापन भाषण में कहा कि सम्मेलन शिक्षाविदों, चिकित्सकों, सलाहकारों और शोध विद्वानों को सर्वोत्तम समाधान के साथ आने के लिए प्रेरित करने का एक प्रयास है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नफीसा बिंते शफीक ने यूनिसेफ के बिहार फील्ड कार्यालय की ओर से जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बिहार की कुल जनसंख्या का 48 प्रतिशत 18 वर्ष आयु से कम है, जो भारत की कुल जनसंख्या का 10 प्रतिशत है। एक बड़ी उपभोक्ता बाजार कंपनी होने के नाते राज्य में बच्चों के विकास और वृद्धि से संबंधित सीएसआर गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए। समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित विभास कुमार ने कोरोना काल को याद करते हुए बताया कि कैसे आईओसीएल ने सरकार की मदद से मरीजों के लिए ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए सिलेंडरों की खरीद की। उन्होंने बताया कि कैसे आईओसीएल सीएनजी की आपूर्ति के लिए पाइपलाइन विकसित कर रहा है। साथ ही इजरायली फर्म के साथ बैटरी प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और स्वच्छ ऊर्जा के लिए हाइड्रोजन ईंधन की आपूर्ति के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर भी बढ़ रहा है। आईसीसीएसआर-2022 के अध्यक्ष एवं सहायक प्रोफेसर. डॉ. ज्योति वर्मा ने बेस्ट पेपर अवार्ड की घोषणा की श्रुति द्विवेदी और दिप्रिक परमार को 'रीचिंग द अनरीच्ड टू मीट द अनमेट नीडः विजन स्क्रीनिंग एंड प्रोविजन ऑफ आईग्लासेस वाया आउटरीच कैंपस इन इंडिया' विषय पर बेस्ट पेपर अवार्ड दिया गया है।

Sanmarg ! Page.No-03 ! Dated:12-12-2022

सीएसआर पर देना होगा ध्यान

PATNA (11 Dec): सीआईएमपी ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की. इसका आयोजन इंडिया सीएसआर के सहयोग से किया गया था. इस दो दिवसीय सम्मेलन में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया. सत्र में कुल मिलाकर पांच पेपर दिए गए थे. एसडीजी के लिए सीएसआर को समझने के लिए फिल्मों का उपयोग करना और शेयर बाजार और आर्थिक विकास के बीच दीर्घावधि और अल्पकालिक संघ की परीक्षा जैसे विषयों पर पेपर प्रस्तुत किए गए. सीआईएमपी के निदेशक प्रो. (डॉ.) राणा सिंह ने स्वागत भाषण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की. डॉ. सिंह ने अतिथि, अन्य गणमान्य व्यक्तियों और दर्शकों का स्वागत किया. मुख्य अतिथि नफीसा बिंते शफीक ने यूनिसेफ के बिहार फील्ड कार्यालय की ओर से जनसमूह को सम्बोधित किया. बिहार की कुल जनसंख्या का 48 प्रतिशत 18 वर्ष की आयु से कम है, जो भारत की कुल जनसंख्या का 10 प्रतिशत है.

I-Next
Page.No-05
Dated:12-12-2022